पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर, माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर तथा गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद की शैक्षणिक गतिविधियों और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

नवस्थापित विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री जी के उस व्यापक विजन का विस्तार, जिसमें हर जिले के युवाओं को गुणवत्तापरक, रोजगारपरक और उच्च शिक्षा सुलभ कराने का लक्ष्य समाहित : मुख्यमंत्री

पहले चरण में विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन और कुलपति निवास तथा दूसरे चरण में छात्रावासों और आवासीय भवनों के निर्माण कराया जाए

परियोजनाओं में समयसीमा का कड़ाई से पालन हो और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं

विश्वविद्यालयों के सुचारु संचालन हेतु पूर्णकालिक रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक और वित्त नियंत्रक की तत्काल तैनाती के निर्देश, लिपिकीय संवर्ग की नियुक्ति प्रक्रिया अविलम्ब आरम्भ की जाए

सम्बद्ध महाविद्यालयों के अतिरिक्त इस बार से विश्वविद्यालय परिसर में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए

इन विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम स्थानीय आवश्यकताओं, क्षेत्रीय संसाधनों और समकालीन रोजगार सम्भावनाओं से जुड़े हों, इससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक कौशल प्राप्त हो सकेगा

मुख्यमंत्री ने गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद की वेबसाइट तथा विश्वविद्यालय के 'लोगो' का विमोचन किया

लखनऊ : 14 जुलाई, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर, माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर तथा गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद की शैक्षणिक गतिविधियों और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपति भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद की वेबसाइट https://www.gjum.ac.in/ तथा विश्वविद्यालय के 'लोगो' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन नवस्थापित विश्वविद्यालयों को केवल शैक्षणिक परिसर न मानकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उस व्यापक विजन का विस्तार

समझा जाए, जिसमें हर जिले के युवाओं को गुणवत्तापरक, रोजगारपरक और उच्च शिक्षा सुलभ कराने का लक्ष्य समाहित है। यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को क्षेत्रीय असंतुलन से मुक्त करेगी, बल्कि उसे अधिक समावेशी और न्यायसंगत स्वरूप प्रदान करने की दिशा में भी निर्णायक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री जी ने निर्माण कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए निर्देश दिए कि पहले चरण में प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन और कुलपति निवास का निर्माण हर हाल में समय से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। दूसरे चरण में छात्रावासों और आवासीय भवनों के निर्माण को गति दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालयों के निर्माणाधीन कार्यों के लिए कम से कम 500 श्रमिकों की तैनाती सुनिश्चित हो, ताकि कार्यों की गति और गम्भीरता बनायी रखी जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने तीनों विश्वविद्यालयों के सुचारु संचालन हेतु पूर्णकालिक रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक और वित्त नियंत्रक की तत्काल तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी महत्वपूर्ण पद पर अतिरिक्त प्रभार अथवा सम्बद्धिकरण की अनुमति नहीं दी जाएगी। लिपिकीय संवर्ग की नियुक्ति प्रक्रिया अविलम्ब आरम्भ की जाए, जिससे संचालन का कार्य प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री जी ने शिक्षकों की नियुक्ति के सम्बन्ध में कहा कि अगले तीन दिनों के भीतर पद सृजन की प्रक्रिया पूरी कर विज्ञापन जारी करते हुए शीघ्र चयन की कार्यवाही प्रारम्भ की जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों को गैर वेतन मद में आवश्यक धनराशि निर्गत किए जाने तथा कुछ स्मार्ट क्लासेज और थिएटर रूम विकसित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कुलपतिगणों से कहा कि सम्बद्ध महाविद्यालयों के अतिरिक्त इस बार से विश्वविद्यालय परिसर में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए। इसके लिए आवश्यक प्रयोगशालाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को विश्वविद्यालयों की प्रगति के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय, बलरामपुर की परियोजना की कुल स्वीकृत राशि 163.52 करोड़ रुपये है, जिसमें से अब तक 83.47 करोड़ रुपये की धनराशि निर्गत की जा चुकी है। परियोजना का कार्य 07 जून, 2024 को प्रारम्भ हुआ था और इसे दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण किया जाना है। परिसर में वर्तमान में 435

श्रमिक कार्यरत हैं, जो निर्धारित संख्या से अधिक है, जिससे कार्य की गति और गम्भीरता का आकलन होता है। एक साथ प्रशासनिक भवन, अकादमिक खण्ड, छात्रावास, कुलपति निवास, आवासीय भवन, सुरक्षा अवसंरचना और बाह्य विकास जैसे कार्य संचालित हो रहे हैं।

माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, मीरजापुर की परियोजना का कुल अनुबन्ध मूल्य 154.15 करोड़ रुपये है, जिसमें से अब तक 88.53 करोड़ रुपये की राशि अवमुक्त की जा चुकी है। परियोजना 12 अगस्त, 2024 से प्रारम्भ हुई है और इसके फरवरी, 2026 तक पूर्ण होने का लक्ष्य रखा गया है।

गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद की परियोजना 11 जुलाई, 2024 को आरम्भ हुई है और इसे भी फरवरी, 2026 तक पूर्ण किया जाना है। इस परियोजना की कुल लागत 169.58 करोड़ रुपये है, जिसमें से अब तक 77.93 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। कार्यों में प्रशासनिक खण्ड, 02 अकादमिक भवन, छात्रावास, आवासीय परिसर, पुलिस चौकी तथा बाह्य विकास जैसे घटक सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं में समयसीमा का कड़ाई से पालन हो और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक कार्य की तकनीकी गुणवत्ता का परीक्षण विशेषज्ञ एजेंसियों से कराया जाए और नियमित अन्तराल पर प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाएं, जो स्थानीय आवश्यकताओं, क्षेत्रीय संसाधनों और समकालीन रोजगार सम्भावनाओं से जुड़े हों। इससे विद्यार्थियों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक कौशल भी प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बलरामपुर, मीरजापुर और मुरादाबाद में विकसित हो रहे यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में शोध, नवाचार, सांस्कृतिक चेतना, नैतिक शिक्षा और आधुनिक कौशल विकास के केन्द्र बनकर प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होंगे।

————————